हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

म.प्र. प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की तहसील स्तरीय बैठक सम्पन्न

मण्डला। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अक्षय कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रशासनिक सुधार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए तहसील स्तरीय बैठक का आयोजन ग्राम गाजीपुर के संस्कृति भवन के सभाकक्ष में किया गया। सचिव अक्षय कुमार सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह बैठक पूर्णतः औपचारिक है, मैं यहां आपसे कोई समीक्षा नहीं कर रहा, बल्कि आपकी बेहतर कार्यक्षमता, प्रशासनिक सुधार आदि के संबंध में आपसे चर्चा करने आया हूँ। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री सिंह ने उपस्थित सभी विभागों के प्रतिनिधियों से वन टू वन चर्चा की एवं अधिकारियों-कर्मचारियों से उनके कार्य दायित्वों के निर्वहन में आने वाली समस्याओं एवं सकारात्मक सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को वर्क लाइफ मैनेजमेंट एवं स्ट्रेस रिलीफ वर्क कल्चर की समझाइश देते हुये पदीय दायित्वों का पूर्ण ईमानदारी से निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। सचिव श्री सिहं द्वारा समस्त विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों से प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार संबंधी सुझाव भी मांगे और कहा कि मैं आपके सुझावों और समस्याओं को आयोग के समक्ष रखूंगा। बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर संस्कार बावरिया, सीईओ जनपद पंचायत श्रीमती प्रतिमा शुक्ला, तहसीलदार मण्डला हिमांशु भलावी, परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास अनूप नामदेव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं विभागों से आये प्रतिनिधी उपस्थित रहे।

नगर के विकास के लिए विजन और नगर प्लान तैयार करें-कलेक्टर।

सीवरेज से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के निर्देश

*** नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक सम्पन्न।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट के गोलमेज सभाकक्ष में नगरीय निकायों की विस्तृत समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने जिले के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शहरों के व्यवस्थित विकास के लिए एक विजन और नगर प्लान तैयार किया जाएं, ताकि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बुनियादी ढांचा विकसित हो सके।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि जिले में अवैध कॉलोनियों को तत्काल चिह्नित करें और उनके खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी मण्डला को निर्देश दिए कि शहर में सीवरेज निर्माण कार्य के कारण जो भी सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, उनका मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए ताकि आमजन को आवागमन में कोई असुविधा न हो।

नगरीय निकायों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में जाकर समय-समय पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जाँच करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने नगरीय निकायों द्वारा प्रस्तावित, स्वीकृत, अप्रारंभ और पूर्ण हो चुके विकास कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की और लंबित कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन 2.0 व अमृत मिशन, स्वच्छता सर्वेक्षण, जल गंगा संवर्धन अभियान, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0, सीएम हेल्पलाइन आदि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में सहायक कलेक्टर श्री शैलेंद्र चौधरी, डिप्टी कलेक्टर श्री संस्कार बावरिया सहित समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ, उपयंत्री उपस्थित थे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न

कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला रोगी कल्याण समिति के आय-व्यय संबंधी लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया, जिसकी कलेक्टर द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई।

दुकानों के नवीनीकरण और बकाया वसूली पर सख्त निर्देश

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने जिला रोगी कल्याण समिति के अंतर्गत आने वाली ऐसी 89 दुकानों के नवीनीकरण के निर्देश दिए, जिनकी अनुबंध अवधि समाप्त हो चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो दुकानदार नियमित रूप से किराया नहीं दे रहे हैं और निविदा शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके विरुद्ध शीघ्र वैधानिक कार्यवाही की जाए। बकाया राजस्व की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधितों को 15 दिवस का नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में दुकानों की नवीनीकरण राशि को 1 हजार रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

अस्पताल की व्यवस्थाओं और आयुष्मान कार्ड पर जोर

कलेक्टर श्री धोटे ने स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला अस्पताल में लिफ्ट लगाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने जिला रोगी कल्याण समिति के सचिव को निर्देशित किया कि जिला अस्पताल में आने वाले सभी पात्र मरीजों का आयुष्मान योजना के तहत शत-प्रतिशत पंजीयन कराना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर शशैलेंद्र चौधरी, सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विगत 3 वर्षों से चल रहे जल जीवन मिशन के काम अधूरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया एवं खैरी नारायणगंज में ठेकेदार द्वारा जगह-जगह गड्ढे करके छोड़ दिया गया है बड़ी मुश्किल से पाइपलाइन डाली है जिसमें पंचायत की सभी पक्की सड़कों को खोद कर छोड़ दिया गया है जिससे आए दिन वहां पर कोई ना कोई घटना हो रही है लोगों को पैदल चलना मुश्किल हो गया है अधिकारी द्वारा बताया गया है कि शीघ्र ही यह काम पूरा किया जाएगा पर 3 वर्ष से चल रहे इस काम पर अभी तक लोगों के घर में पानी नहीं पहुंचा ऐसा लग रहा है ठेकेदार और अधिकारी की मिली भगत के कारण इतने समय हो गए अभी तक काम पूरा नहीं किया गया है पूछे जाने पर एक हफ्ते 15 दिन ऐसा कहकर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं इसके बाद भी अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है पंचायत की पुरी सीसी सड़क खो दिया गया है और सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे हैं अतः जिला कलेक्टर महोदय एवं उच्च अधिकारी से निवेदन है शीघ्र ही अधूरे काम को पूरा किया जाए एवं लोगों को घरों में पानी पहुंचाया जाए।

स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक में राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक 20 मई को क्षेत्रीय संचालक स्तर पर आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने जानकारी देते हुए बताया कि कमिश्नर श्री धनंजय सिंह भदोरिया के निर्देशानुसार आयोजित बैठक में स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. भरत कुमार, जबलपुर तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की क्षेत्रीय संचालक श्रीमती सोलंकी द्वारा की गई।

बैठक में संभागीय एवं जिला स्तरीय अधिकारियों सहित स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, एनसीडी, टीबी, आरबीएसके, एनआरसी, एसएनसीयू तथा एनीमिया मुक्त भारत अभियान की प्रगति पर चर्चा की गई।

बैठक में गर्भवती महिलाओं के प्रथम तिमाही में पंजीयन, मॉडरेट एवं सीवियर एनीमिया, पीआईएच प्रबंधन तथा संस्थागत प्रसव को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। मातृ मृत्यु प्रबंधन एवं डिलीवरी सेवाओं की समीक्षा करते हुए बिछिया, घुघरी एवं मंडला अर्बन क्षेत्र की कम प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा शीघ्र सुधार के निर्देश दिए गए। रिक्त उपस्वास्थ्य केंद्रों में सीएचओ के माध्यम से कार्य संचालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग की क्षेत्रीय संचालक ने नवविवाहित महिलाओं की समग्र आईडी समय पर तैयार करने पर बल दिया, जिससे भविष्य में गर्भावस्था संबंधी रिकॉर्ड अद्यतन रखने में सुविधा हो सके। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन एवं सीवियर एनीमिया से पीड़ित महिलाओं के लिए रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रक्तदान शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। बिछिया, मवई एवं नारायणगंज में नए ब्लड स्टोरेज सेंटर स्थापित करने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में एनआरसी एवं एसएनसीयू से डिस्चार्ज बच्चों के नियमित फॉलोअप, कुपोषित बच्चों के घर-घर जाकर परिवार को जागरूक करने तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं एएनएम द्वारा संयुक्त रूप से बच्चों का वजन परीक्षण करने के निर्देश दिए गए।

क्षेत्रीय संचालक डॉ. कुमार ने कहा कि मंगलवार को जिला स्तर के अधिकारी एवं शुक्रवार को खंड स्तर के अधिकारी संयुक्त रूप से व्हीएचएनडी दिवस का निरीक्षण करें। सीएचओ द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने पर स्पष्टीकरण जारी करने तथा निष्क्रिय डिलीवरी प्वाइंट को सक्रिय करने के निर्देश भी दिए गए।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बकौरी के स्टाफ को प्रशिक्षण देकर तीन दिवस के भीतर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पूर्ण टीकाकरण अभियान में कोई भी बच्चा न छूटे, इसके लिए विशेष कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया गया। आरबीएसके के तहत 4-डी श्रेणी के बच्चों की पहचान कर उन्हें चिन्हित संस्थाओं में रेफर करने तथा परिवार कल्याण, टीबी एवं एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम को प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए।

2 वर्ष से फरार स्थाई वारंट पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे स्थाई वारंट अभियान के तहत थाना टिकरिया के प्रकरण क्रमांक 30/2020 धारा 376(2), 511, 376(2)5,450 भारतीय दंड विधान के फरार स्थाई वारंटी इंदर सिंह पिता रणजीत सिंह पट्टा निवासी समनापुर थाना टिकरिया जिला मंडला जो कि वर्ष 2024 से फरार चल रहा था जिसको थाना प्रभारी प्रदीप पांडेय की टीम के प्रधान आरक्षक शिवकुमार मरावी, आरक्षक दीपक द्विवेदी, प्रकाश जंघेला, अमित सुरेखिया, आशुतोष उपाध्याय, चंद्रभान मरावी द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया वारंटी को न्यायालय पेश किया गया है।

महिला सुरक्षा, जनमित्र पहल एवं अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश

*** जनसहयोग आधारित पुलिसिंग को मजबूत करने पुलिस अधीक्षक मण्डला ने दिए निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

दिनांक 21/05/2026 को पुलिस कंट्रोल रूम मण्डला में पुलिस अधीक्षक मण्डला राजेश रघुवंशी द्वारा मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, जनसहयोग आधारित पुलिसिंग एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिले के लंबित महिला एवं पुरुष मर्ग प्रकरणों के लंबित राहत प्रकरणों, गंभीर अपराधों, लंबित चालान, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं लंबित विवेचनाओं की समीक्षा की गई। सभी थाना/चौकी प्रभारियों को लंबित अपराधों का त्वरित, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु वाहन चेकिंग, यातायात जागरूकता एवं बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत गुम बालक-बालिकाओं की सुरक्षित दस्तयाबी हेतु संवेदनशीलता एवं सक्रियता से कार्य करने को कहा गया।

बैठक में NDPS एक्ट, महिला एवं बाल अपराधों, साइबर अपराधों की रोकथाम, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, जनमित्र पहल, आशा कार्यकर्ताओं से समन्वय, जुआ-सट्टा, अवैध शराब एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही CCTV, डायल-112, CCTNS, नियमित गश्त, वाहन चेकिंग एवं सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने हेतु निर्देशित किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, एसडीओपी मण्डला पीयूष मिश्रा, एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी, एसडीओपी नैनपुर श्री मनीष राज, डीएसपी श्री सतीश चतुर्वेदी, सभी थाना/चौकी प्रभारी, रक्षित निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार | **चलित पशु औषधालय का फर्जीवाड़ा।**

पशु उपचार के नाम पर मांगे जाते हैं पैसे?

*** बैल को प्लास्टर लगाने के लिये मांगे 600 रूपये।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पशुओं के ईलाज के लिए होंगे आधुनिक उपकरण

मंत्री श्री पटेल ने बताया कि चलित पशु चिकित्सा इकाई का वाहन पूर्णतः आधुनिक उपकरणों और स्टाफ से सुसज्जित रहेगा। वाहन में एक पशु चिकित्सक, एक पैरावेट और एक वाहन चालक सह-सहायक रहेगा। इसके अलावा वाहन में पशु चिकित्सा, लघु शल्य चिकित्सा, कृत्रिम गर्भाधान, रोग अन्वेषण से संबंधित आवश्यक उपकरण स्थापित रहेंगे। प्रचार-प्रसार के लिये प्रोजेक्टर, स्पीकर आदि भी लगाया जाएगा।

कॉल सेंटर की भी की जाएगी स्थापना

गौ वंश की सुरक्षा और उसके संवर्धन को लेकर देश एवं प्रदेश की सरकार संवेदनशील है और यही कारण है कि आवारा पशुओं के भी उपचार हेतु चलित पशु औषधालय की सुविधा प्रारंभ की गई है इसके लिए सिर्फ एक फोन करने की आवश्यकता होती है और चलित पशु औषधालय की गाड़ी मौके पर पहुंचकर घायल एवं बीमार पशु का उपचार करती है यह सुविधा ठीक 108 एंबुलेंस की तरह ही है।

लेकिन जिले में इन चलित पशु चिकित्सा इकाई को जिनके माध्यम से संचालित किया जा रहा है उन्होंने तो सरकार की मनसा के विपरीत काम करने का शायद संकल्प ही ले रखा है चलित पशु चिकित्सा इकाई में फोन करने पर चिकित्सक को पैसे देने की बात कही जाती है साथ ही उपचार में जो सामग्री उपयोग की जा रही है उसका भी पैसा मांगा जा रहा है यदि ऐसा ही चलता रहा तो फिर कौन पशु प्रेमी सरकार की इन सुविधाओं के माध्यम से पशुओं के लिए राहत एवं उपचार की व्यवस्था करेगा।

बुधवार की दोपहर ग्राम पंचायत आमनाला में एक कम उम्र का बैल जो की चल नहीं पा रहा था उसे देखकर स्थानीय युवकों ने पहले तो उसके भोजन की व्यवस्था की फिर उसे छांव में बैठाया पानी पिलाया शाम तक बैल वही बैठ रहा इस दौरान 1962 में एक युवक द्वारा फोन किया गया जिस पर यह जवाब मिला कि शिकायत करने का समय सुबह 7:00 से शाम को 5:00 बजे तक है आज आप लेट हो चुके हैं लिहाजा आपकी शिकायत अगले दिन के कालखंड में दर्ज कर दी जा रही है दूसरे दिन भी दोपहर तक जब कोई उपचार नहीं मिला तो फिर से 1962 में फोन किया गया फोन अटेंड करने वाले ने पहले पूरी जानकारी मांगी साथ ही कहा कि गाड़ी में डॉक्टर आएंगे आपको डॉक्टर की फीस 150 रूपये देनी होगी इस पर जब पूछा गया की फीस क्यों ली जा रही है तो उन्होंने कहा हां फीस लेने का प्रावधान है जब रसीद की बात कही गई तो बोला गया कि यदि चिकित्सक के पास रसीद होगी तो देगा नहीं तो हम पूरी जानकारी यहां पर नोट कर रहे हैं। इसके बाद कहा गया कि आपको चिकित्सा का नंबर दिया जा रहा है यदि शाम तक चिकित्सक नहीं आते तो आप फोन कर उनसे जानकारी प्राप्त कर सकते हैं साथ ही मौके स्थल पर तीन-चार लोगों को सहायता के लिए उपस्थित रहना होगा। लगभग आधे घंटे बाद चिकित्सक का फोन आता है कि वह घायल पशु के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं क्या बीमारी है क्या लक्षण है कैसा है कितनी उम्र है इत्यादि जानकारी लेने के बाद कहा गया कि यदि बैल चल नहीं पा रहा है तो उसके पैर की हड्डी टूटी हो सकती है इसके लिए प्लास्टर लगाना पड़ेगा प्लास्टर हमारे पास नहीं है इसमें तीन प्लास्टर लगेंगे जिनका खर्चा 600 रूपये आपको देना होगा जब ग्रामीणों ने पूछा कि जिला पशु चिकित्सालय में तो प्लास्टर उपलब्ध होंगे वहां से क्या आपको प्लास्टर नहीं उपलब्ध होंगे तो कहा गया कि वहां पर भी प्लास्टर उपलब्ध नहीं है इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी जब गोसेवक रेनू कछवाहा को लगी तो उन्होंने तुरंत ही संबंधित चिकित्सक से बात की उनके बात करने के बाद चिकित्सक ने उन्हें बताया कि जिला पशु चिकित्सालय में प्लास्टर हैं हम वहां से प्लास्टर ले लेते हैं और जाकर इलाज करते हैं आखिर प्रश्न यह उठता है कि जब सरकार द्वारा सभी तरह के संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं तो यह चिकित्सा एवं इस सुविधा से संबंधित लोग क्यों सेवा देने में लापरवाही कर रहे हैं उपचार के नाम पर पैसे क्यों मांगे जा रहे हैं यदि पैसा ही लगना है तो फिर निशुल्क पशु उपचार का ढिंढोरा क्यों पीटा जा रहा है।

खबर संक्षेप

बंदरों की दहशत से गांवों में मचा हाहाकार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। वर्तमान में क्षेत्र के गांवो के किसानो की विकसित हो रही मूंग, गन्ना सहित अन्य फसलों को जंगली सुअर और आवारा जानवर तबाह कर रहे। वही गांवो में झुंडो में उछल कूंद कर रहे बंदरो की दहशत से शहर के नजदीक के गांवो में हा हा कार मचा हुआ है, किसानों ने बताया कि उनके खेतों में लगी हुई मूंग व गन्ने की फसल को जंगली सुअरों से अधिक बंदर नुकसान पहुॅचा रहे है। इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के चलते जहां जंगल में जल स्रोत सूख जाने के कारण अनेक प्रकार के जंगली जानवर गांवों की ओर रूख करते हुये देखे जा रहे है। इस हालत में उन्हें किसानों के खेतों में हो रही सिंचाई के चलते जहां पीने के लिये पानी उपलब्ध हो रहा है तो दूसरी ओर ठंडक रहने के कारण वह वही पर अपना आसियाना बनाने से नही चूक रहे है। इस हालत में किसानों की गन्ना फसल को यह जंगली जानवर चौपट करने में देर नही करते है। वही दूसरी ओर जब किसान अपनी फसल की सुरक्षा करने के लिये पहुंचते है तो जंगली सुअर हमला करने से भी नही चूक रहे है। इस स्थिति के चलते किसानों को आर्थिक नुकसान उठाने मजबूर होना पड़ रहा है। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि गांवों में बंदरो के आतंक को खत्म करने वन विभाग के अधिकारियों से कई बार गुजारिश की गयी। किंतु अभी तक वन विभाग की ओर से जंगलों से पलायन कर गांवों में बंदरो पर अंकुश लगाने की दिशा में कदम नहीं उठाया गया, जिसका परिणाम है कि फिलहाल बंदरो से लेकर जंगली सुअर व अन्य वन्य प्रणाली किसानो की फसलों को नुकसान पहुॅचा रहे है। किसानो ने वन विभाग के अधिकारियों से गांवो में डेरा जमाये बंदरो को पकड़ जंगल में छोड़ने की गुहार लगायी है।

स्कूलों मे सड़ रहे कम्प्यूटर, शिक्षा विभाग की योजना पर लगा प्रश्न चिन्ह?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। बीते हुए कुछ वर्षो पूर्व मध्यप्रदेश शासन शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देश के मुताबिक क्षेत्र के अनेक गांवों के मिडिल स्कूलों मे कम्प्यूटर ज्ञान देने खातिर मयसेट कम्प्यूटर रखाये गये थें, जिनका कभी किसी छात्र को लाभ तो हुआ नही मगर इन कम्प्यूटरों की स्थिति देखी जावे तो कुछ चोरी चले गये कुछ के आधें अधूरे सिस्टम शेष है, तो कई कोठरी मे बंद पडे है जो आज भी सड़ रहे है और कुछ अध्यापक व प्रध्यापक के घर की शोभा बढ़ाने से नही चूक पा रहे है..? वही कई गांवों के स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों को तो इन कम्प्यूटर के क्षेत्र मे ए बी सी डी का ज्ञान न होने के कारण वह छात्र छात्रायें भी कम्प्यूटर ज्ञान से अवगत नही करा पा रहे है।

तेज आवाज वाले साईलेंसर के खिलाफ पुलिस के बुलडोजर में ब्रेक लगते ही वाहन चालकों के हौसले फिर दिखाई देने लगे बुलंद

खुलेआम नियमों के विपरीत अपने वाहनों में किया जा रहा है हूटर व पुलिस सायरन का उपयोग तो बुलेट की फटाखानुमा आवाज ने की रातों की नींद की गायब ...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। परिवहन विभाग द्वारा सड़कों पर संचालित वाहनों में प्रेशर हार्न के उपयोग के संबंध में तमाम नियम बनाये गये है। मगर बावजूद इसके राष्ट्रीय से लेकर राज्य स्तरीय मार्गो सहित शहर की गली कूचो तक में दौड़ने वाले अनेक छोटे से लेकर बड़े वाहनों व बाइकों तक में जिस प्रकार से प्रेशर हार्नो का बेखौफ उपयोग किया जा रहा है। वह निश्चित ही परिवहन विभाग के निमयों को दर किनार करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है..? इस समय देखा जावे तो लोगों द्वारा अपने वाहनों में रौब झाड़ते हुये जिस प्रकार से प्रेशर हार्न का उपयोग किया जा रहा है कि मानो इनका उपयोग करना मूल अधिकार हो..? शहर से लेकर गांव गांव तक इन प्रर्शर हार्नो का जिस तरह उपयोग होते हुये देखा जा रहा है वह आमजन के लिये परेशानी का कारण साबित होते हुये जान पड़ रहा है? शासन द्वारा पुलिस वाहनों से लेकर फायर बिग्रेड तथा मरीजों को ले जाने वाली एम्बुलेंसों के लिये अधिकृत किये गये सायरन तक लोगों द्वारा अपने वाहनों में लगाते हुये उनका दुरूपयोग करने से नही चूक रहे है। यदि नगर में देखा जावे तो प्रभाव शाली लोगों से लेकर आवारा गर्दी करने वालों द्वारा अपने वाहनों में नियमों को दर किनार करते हुये धडल्ले से साईरन नुमा हूटर उपयोग करते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर बाईको से लेकर चार पहिया वाहनों तथा ट्रक, बसो में जिस तरह कर्कश आवाज निकालने वाले प्रेशर हार्नो का उपयोग हो रहा है उसके कारण शहर की मुख्य सड़को इन वाहनों से निकलने वाली आवाजों के बीच लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि सायरन हूटर लगाने का अधिकार सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही होता है जिन्हें शासन द्वारा अधिकृत किया जाता है, मगर यहां पर तो जिस वाहन मालिक के मन में आता है वह अपने वाहन में मनमर्जी के मुताबिक हूटर या फिर पुलिस का सायरन लगाते हुये रौब झाड़ने के साथ पुलिस के वाहनों में लगने वाले सायरन को मजाक बना डाला है। मगर इस ओर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर यातायात विभाग की उदासीनता का परिणाम है कि इस प्रकार से लोग अपने वाहनों में हूटर लगाने का शौक पालते हुये मनमर्जी पर उतारू दिखाई पड़ रहे है, जो सिर्फ अपने शौके के चलते जहां यातायात नियमों की धज्जियाँ उठा रहे है और यह वाहन शहर से लेकर ग्रामीण के बीच अपना रौब झाडने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र में अनेक लोगों द्वारा अपनी गाडियों में लगी हुई सायरन हूटर का इस प्रकार से प्रयोग किया जाता है जिसके चलते आम लोगों को परेशानियों का सामना तो करना ही पड़ता वही मानव जीवन के स्वास्थ्य पर भी इसका विपरित असर पड़ने से नही चूक रहा है। स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि इस समय शहर से लेकर गांव सहित पुलिस थानों के सामने से खुलेआम हूटर व पुलिस की आवाज निकालने वाले सायरन बजाते हुये अपने वाहनों को घूमने से नही चूक रहे है। मगर इसके बाद भी इनके खिलाफ किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही न होना चर्चा का विषय बना हुआ है..? यह बात अलग है कि क्षेत्र का पुलिस प्रशासन जो आये दिन वाहन चैकिंग के नाम पर छोटे मोटे लोगों के खिलाफ तो चालानी कार्यवाही करते हुए उन पर रौब झाडकर वाही वाली लूटने में कोई कसर नही छोड़ता है। मगर उनको कभी यह दिखाई नही देता है कि अनेक निजी गाड़ियों में खुलेआम जिस प्रकार से नियमों को दर किनार करते हुये सायरन हूटर तथा अन्य अन्य प्रकार के प्रेशर हार्न लगे हुये है जो खुलेरूप से नियमों के विपरित होने के बाद भी कार्यवाही करने की हिम्मत नही की जाती है। जबकि गौर किया जावे तो सायरन हूटर लगी हुई गाडियां आये दिन पुलिस थानो से लेकर अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के कार्यालयों के सामने से गूजरती रहती है जिन्हें अधिकारी खुलेआम नजर अंदाज करते हुये अभयदान की मुद्रा में नजर आने से नही चूक रहे है? गौर किया जावे तो कुछ माह पहले जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में इनके खिलाफ लगातार मुहिम चलाते हुये तेज आवाज बाले साईलेन्सरों पर बुलडोजर चलाने की कार्यवाही की जा रही थी जिससे काफी हद तक राहत महसूस हो रही थी। मगर यह कार्यवाही अचानक ठंडे बस्ते में चले जाने के कारण वाहन चालकों को हौसले फिर बुलंद नजर आने से नही चूक रहे है..? इस तरह तेज हार्न वाले वाहनों के दुर्घटना की आशंका- इस प्रकार से नियम विरूद्व वाहनों में लगे हुए सायरन हूटर तथा प्रेशर हार्नो से सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है जब आगे चल रहे वाहन चालक को पीछे से या सामने से सायरन हूटर प्रेशर हार्न सुनाई देता है, खासतौर से जब उसके बगल से प्रेशर हार्न बजाता वाहन सट कर निकलता है, इस स्थिति में तो अक्सर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। कई बार ऐसी दुर्घटना से जान तक चली जाती है। शौक बन गया प्रेशर हार्न बजाना-इन दिनों गौर किया जावे तो सायरन हूटर का उपयोग जहां नियमों के विपरित होने के बाद भी लोगों द्वारा अपने वाहनों में उपयोग किया जा रहा है। वही प्रेशर हार्न का सर्वाधिक उपयोग युवा बाईक चालकों द्वारा किया जाता है जो नगर में ऐसे हार्न की आवाज हमेशा सुनी जा सकती है। बताया जाता है कि ऐसे बाईक चालक प्रेशर हार्न की कर्कश आवाज बजाते हुए इस तरह निकलते है कि मानों किसी दौड़ प्रतियोगिता में भाग ले रहे हो? इस बात को इस तरह भी कहा जा सकता है कि बाईक या अन्य वाहनों में प्रेशर हार्न का उपयोग करना शौक भी बन गया है और इन शौकीनों को सड़क दुर्घटना का कोई खौफ नही है। इतना ही नही यदि इन हार्नो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस तरह के हार्न के चलन के संबंध में चिकित्सकों का कहना है कि इनकी कर्कश ध्वनि से हृदय गति बढ़नें का खतरा भी है, इनके उपयोग पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया जाना जरूरी है। बताया जाता है कि कान में आवाज सुनने की एक क्षमता होती है, यदि उक्त क्षमता से तेज गति की आवाज कानों तक पहुंचे तो व्यक्ति बहरा भी हो सकता है। मगर पता नही शासन प्रशासन द्वारा इस ओर क्यों ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में नजर आ रही है। नये फैसन की बुलेट गाड़ी के आबाज से लोगों को रात में नींद लेना हुआ मुश्किल- पूर्व में सड़को पर दौड़ने वाली बुलट बाइक में अचानक कमी आने के बाद फिर युवाओं में बुलट चलाने का जो शौक पैदा हुआ है वह आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक पा रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो युवाओं में बुलट बाइक के प्रति बढ़ रहे शौक के चलते नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी बुलट गाड़ियो की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी होते हुये देखी जा रही है जिसके सायलेन्सर से निकलने वाली आवाज ही इतनी तेज होती है कि उसको सुन पाना मुश्किल हो जाता था। मगर अब नये फैसल की बुलेट में जिस प्रकार से युवाओं द्वारा अलग प्रकार की आवाज सेट कराई जा रही है वह चलते चलते अचानक बम की तरह निकालने से नही चूकती है इस आवाज के चलते जब देर रात नगर की गलियों में बुलट बाइक दौड़ते हुये इस प्रकार से आवाज निकालती है तो लोग अपने घरों में नींद तक नही ले पा रहे है। क्योंकि फटाखा बम के समान यह आबाज इतनी तेज होती है कि सो रहे किसी भी व्यक्ति की नीद गायब हो सकती है? इस प्रकार से नगर व शहरों में लगातार बुलेट बाईकों की बढ़ोत्तरी आम लोगों के लिये सिर दर्द बनने से नही चूक पा रही है? जिसके चलते आमजन द्वारा प्रशासन से युवाओं द्वारा अपनी बुलेट बाईकों में बमनुमा आवाज निकालने वाले यंत्र लगवाए जाने पर रोक लगाना चाहिये।

अब सरकारी कार्यालयों में बगैर हेलमेट के नहीं मिलेगा प्रवेश, जिला कलेक्टर ने जारी किया आदेश, क्या इस आदेश का पालन हो पायेगा?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिला कलेक्टर संपूर्ण जिले का मुखिया होता है और उनके द्वारा जारी किये जाने वाला आदेश हर विभाग व शासकीय कार्यालयों से लेकर निजी कार्यालय हो या फिर संस्था सहित आम व्यक्ति को मनाना जरूरी होता है। मगर जिला कलेक्टर द्वारा पूर्व के समय में जारी किये गये अनेक आदेशों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो शायद ही उनका पालन होते हुये देखा गया हो और वह आदेश मात्र अखबारों की सुर्खिया बनकर रहते हुये देखे जा चुका है..? कुछ इसी प्रकार से हेलमेट को लेकर जारी किया गया नया आदेश बगैर हेलमेट के शासकीय व अर्द्वशासकीय कार्यालयों में अधिकारी व कर्मचारियों को प्रवेश नही मिलेगा..। यह आदेश चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है लोगों का कहना है कि क्या इस आदेश का पालन हो पायेगा या फिर यह आदेश भी पूर्व की भांति सिर्फ कागजो तक सीमित होकर रह जावेगा..? क्योंकि हेलमेट को लेकर पहले भी जिला कलेक्टर द्वारा पेट्रोल पंपों को लेकर जारी किया गया था कि बगैर हेलमेट की किसी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल नही मिलेगा। मगर वह आदेश मात्र चार दिन की चांदनी साबित होते हुये देखने मिलने से नही चूक पाया था..? अब देखना है कि यह आदेश कितना सफल होता है यह तो आने वाला समय ही बतायेगा...? जिला कलेक्टर द्वारा जारी किये गये आदेश के अनुसार बताया जाता है कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने शासकीय/अर्द्धशासकीय कार्यालयों, निगमों एवं स्वाशासी संस्थानों के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया। बताया जाता है कि अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय सड़क सुरक्षा समिति माननीय न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में बीते हुये 3 मई 2026 को जिला मुख्यालय पर आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिले की राजस्व सीमा के भीतर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। दोपहिया वाहन दुर्घटनाओं में अधिकांश सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण मृत्यु होती है, जिसे हेलमेट धारण कर काफी हद तक रोका जा सकता है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत सम्पूर्ण जिले के समस्त शासकीय/ अर्द्धशासकीय कार्यालयों, निगमों एवं स्वाशासी संस्थानों के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार दोपहिया वाहन से कार्यालय आने वाले समस्त शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से आईएसआई मार्क हेलमेट पहनना होगा और जो कर्मचारी बिना हेलमेट के पाए जाएंगे, उन्हें कार्यालय परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा तथा उनकी उस दिन की उपस्थिति प्रभावित की जा सकती है। आदेश में उल्लेखित किया गया है कि इसकी सम्पूर्ण जवाबदारी संबंधित कार्यालय अधीक्षक की होगी। चार पहिया वाहन का उपयोग करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य होगा। कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे नियम तोड़ने वाले कर्मचारियों पर नियमानुसार एवं उक्त निर्देशानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। समस्त कार्यालय प्रमुख अपने मुख्य गेट पर सुरक्षाकर्मियों/ नोडल अधिकारियों की ड्यूटी लगाएं, जो बिना हेलमेट आने वाले दोपहिया वाहनों को रोकें और दिवस अनुसार उल्लेखित कर्मचारियों की सूची तैयार कर आवश्यक कार्यवाही करें। कार्यालय परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार पर बिना हेलमेट प्रवेश निषेध/ NO HELMET, NO ENTRY का सुस्पष्ट सूचना बोर्ड/ पोस्टर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। यह आदेश सिख समुदाय के उन व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा जो धार्मिक रूप से पगड़ी धारण करते हैं। आकस्मिक चिकित्सा आपातकाल की स्थिति में नियम से शिथिलता रहेगी।

कही लोग अपने बच्चों की जिन्दगी खतरे में तो नहीं डाल रहे हैं

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि रेल्वे स्टेशन पर जब कोई ट्रेन खड़ी होती है और लोग जल्दी निकलने के चक्कर में अपने बच्चों सहित ट्रेन के नीचे से निकलने लगते है या फिर वह उसके सामने से ही निकलने लगते है? कभी कभी स्थिति तो यह तक देखी जाते हे कि जब ट्रेन धीमी गति से निकलती है तो लोग अपने बच्चों के साथ उसके सामने निकलने से तक बाज नही आते है। वही स्टेशनों के इर्द गिर्द सामन बेचने वाले बच्चों को भी अक्सर देखा जाता है कि वह अपना समान जल्दी बेचने के चक्कर में जब ट्रेने खड़ी होती है तो दूसरी ओर से समान बेचने के चक्कर में अपनी जिन्दगी को पूर्णरूप से खतरे में डाल देते है। इस स्थिति में कभी भी कोई हदासा घटित होने से इंकार नही किया जा सकता है? यदि गौर किया जावे तो मगर एक बार की उनकी यह गलती बच्चों की आदत में सदा बन जाती है, और यही गलती उन मासूम बच्चों की जिन्दगी के लिए एक दिन खतरा बन जाती है, मगर इसके लिए दोषी कौन होता है? इसके जिम्मेदार भी हम ही होते है, क्योंकि इस प्रकार की गलत आदते हमें ही डालते है, इस लिए सभी बच्चों के अभिभावकों को इस प्रकार गलत आदतों से बच्चों को रोकना जरूरी है।

इमरती लकड़ी की कमी के दौर में शहीद हो रहे बबूल के छायादार वृक्ष, ईंट भट्टा मालिक कर रहे मजा

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर प्रतिवर्ष सरकार द्वारा वृक्षारोपण करते हुए लाखों रूपया खर्च किये जा रहे है तथा सरकार हरियाली महोत्सवो, राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर क्षेत्रवासियों को वृक्षों के रोपण, उनकी रक्षा का संदेश देकर बड़ी बड़ी बाते करते हुये सुना जाता है। मगर वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पौधा रोपण करने वालों द्वारा पौधा रोपने के बाद वह अपने कर्त्तव्य की इतिश्री तो कर लेते है पर नेताओं से लेकर शासकीय अधिकारियो द्वारा बाद में कभी इस बात से चिंतित नजर नही आते कि आखिर उनके द्वारा रोपा गया पौधा सुरक्षित है कि नही वही दूसरी ओर वही दूसरी ओर जहां सरकार द्वारा पौधा रोपण करने पर जोर देते हुये हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है तो दूसरी ओर क्षेत्र में लगतार हरे भरे वृक्षों पर कुल्हाडी चलते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। अब सबाल यह है कि वें कौन से कारण है, जिनके चलते जंगल में वृक्षों की अंधा धुंध कटाई हो रही है तथा जरूरत पड़नें पर क्षेत्रवासियों को इमारती लकड़ी की कमी की समस्या से जूझने मजबूर होना पड़ता है। हालत यह है कि वर्तमान में जिस पैमाने पर विभिन्न तरह के वृक्षो का निर्मम तरीके से कत्ल ए आम हो रहा है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि क्षेत्र के जंगलों में खड़े सागौन के वृक्षों के ठूंठ इस बात की गवाही दे रहे है कि क्षेत्र में खुलेआम लकड़ी कटाई का अवैध कारोबार चल रहा है। जिससे इमारती लकड़ी का संकट आगामी वर्षो में और अधिक गहराने के आसार होने से इंकार नही किया जा सकता है? गौरतलब है कि पहले क्षेत्र के गांवों की सड़कों के किनारों पर हरीतिमा बिखेरने वाले बबूल के छायादार वृक्ष लगे थे, इनमें कई वृक्ष तो उम्र दराज थे और वृक्षो के काटने पर बिना अनुमति के काटने पर रोक के चलते वे सलामत थें किंतु विगत वर्षो से बबूल के वृक्षों के काटने पर लगा प्रतिबंध हटने के बाद अब स्थिति यह देखी जा रही है कि लोग अपने स्वार्थो के चलते इन बबूल के पेडों को धड़ल्ले से धराशायी कर सड़कों को छाया विहीन किया जा रहा है, यहां तक कि इमारती लकड़ी का कारोबार करने में माहिर कुछ लोग बबूल की लकड़ी कों तहसील सीमा से बाहर भेज माला माल हो रहे है..? सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बबूल की लकड़ी खुलेआम ईट भट्टों में उपयोग करते हुए जहां ईट भट्टो के मालिक मौज कर रहे है । वही बबूल की लकड़ी व सागौन की किल्लत के चलते बबूल की ही लकड़ी फर्नीचर बनाने में काम भी आ रही है। इस तरह बाजारीकरण की लहर की बालिहारी कि वर्तमान में क्षेत्र में बबूल के वृक्षो की शहादत का सिलसिला नही थम रहा है और उनके कटने की स्थिति में ग्रामों की सड़के अपनी सुंदरता खोती चली जा रही है, वही लोग दिन दहाडे बबूल के पेड़ो पर कुल्हाडी चलाते हुए देखे जा रहे है।

बिजली विभाग की उदासीनता से झूलते हुये बिजली तारों का खमियाजा भुगतने मजबूर होते हैं किसान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा एक ओर अपने बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो सभी प्रकार के माप दंडों का उपयोग करते हुए किसानों से पैसा बसूने में उनके घरों में रखी हुई सामग्री तक जप्त करने से नही चूक रही है? मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपनी विद्युत लाईनों के रख रखाब की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण प्रति वर्ष क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि बिजली विभाग की उदासीनता का परिणाम है कि किसानों के खेतों से निकली हुई बिजली लाईनों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह वर्षो पुरानी होने के कारण उनके तार झूला के समान झूलते हुए दिखाई दे रहे है और वह तार जरा से हवा चलते ही एक दूसरे से टकरा जाने की स्थिति में आग की चिन्गारी छोड़ना चालू कर देते है। इसके चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसलों में आग लग जाने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए प्रतिवर्ष मजबूर होते हुए देखा जाता है, जिसका उदाहरण इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने भी मिल रहा है जहां पर किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले आये दिन आग से जलकर खाक होने से नही चूक रही है। क्योंकि क्षेत्र के गांवों की मेन्टेनेस व्यवस्था पर बिजली विभाग द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण गांवो में किसानों की सिंचाई हेतु स्थापित किये गये ट्रांसफार्मर भी जल जाते है जिनकों बदलवाने के लिए क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग के अधिकारियों के अनेक चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस स्थिति में देखा जावे तो जहां किसानों के खेतों में आग लगने के कारण उन्हें आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है वही दूसरी ओर कई दिनों तक बिजली बंद रहने के कारण उनकी सिंचाई का कार्य भी प्रभावित होता है। इस प्रकार से क्षेत्र के किसानों के खेतों में खडी हुई फसलों के ऊपर झूलते तारों के चलते दहशत में दिखाई पड़ रहे है और समय रहते हुए यदि बिजली विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही क्षेत्र के किसानों को फिर आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

सालीचौका कॉलेज में प्रवेश के लिये प्राचार्य द्वारा विद्यार्थियों सहित अभिभावकों से संपर्क करते हुये किया जा रहा जागरूक

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। शासकीय नवीन महाविद्यालय सालीचौका की स्थापना वर्ष 2023 में हुई थी। वही यहां पर भले ही महाविद्यालय भवन का निर्माण नही हो पाने के चलते वह वर्तमान में शासकीय महाविद्यालय बालक विद्यालय में संचालित है जिसमें तीनों संकाय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य विषय संचालित है महाविद्यालय में सत्र 2026 -27 में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों और अभिभावकों ने कॉलेज प्राचार्य डॉ. दर्शन सिंह किरार से महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं एवं अन्य सुविधाओं के विषय में जानकारी ली गई तो उन्होनें अभिभावकों की सभी जिज्ञासा का तत्परता से जवाब देते हुये बताया कि स्नातक स्तर पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का प्रथम चरण दिनांक 1 मई 2026 से शुरू होकर 15 मई 2026 तक संपन्न हो गया है जिसमें 35 विद्यार्थियों ने विभिन्न संकाय में शासकीय महाविद्यालय सालीचौका की चॉइस फिलिंग की गई है। वही ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश शुल्क का भुगतान 20/ 5/ 2026 से 26/ 05/ 2026 तक जमा करना विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है। प्रवेश शुल्क जमा करने पर ही प्रवेश महाविद्यालय में निश्चित माना जाएगा जिसमें अधिकांश विद्यार्थियों ने प्रवेश शुल्क और महाविद्यालय में प्रवेश लेने की मंशा को बताया है। ज्ञात हुआ है कि डॉ. दर्शन सिंह किरार जिनका स्थानांतरण विगत 2 माह पूर्व शासकीय महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाडरवारा से शासकीय नवीन महाविद्यालय सालीचौका में प्राचार्य के दायित्व को संभाला है। उनके निर्देशन में सालीचौका और नगर के आसपास के ग्रामों के लोगों ने उनके ऊपरअपना विश्वास जताया और विद्यार्थियों को अधिक से अधिक महाविद्यालय में प्रवेश दिला रहे हैं ऑनलाइन प्रवेश का द्वितीय चरण दिनांक 28/5 /2026 से 3/ 6/.26 तक चलेगा एवं सी एल सी प्रथम चरण 15/06/26 से 20/06/2026 चलेगा महाविद्यालय में प्रवेश लेने पर संस्था के प्राचार्य डॉ. दर्शन सिंह किरार विधायक प्रतिनिधि श्री पराग तिवारी वरिष्ठ समाजसेवी जितेंद्र राय तथा जन प्रतिनिधि गण, प्राचार्य ए के रघुवंशी, श्री एस एस मरकाम, लखन लाल मेहरा की पूरी टीम ने क्षेत्र के सभी अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

जल जीवन मिशन कार्य में लापरवाही के आरोप

डिंडौरी न्यूज। करंजिया जनपद अंतर्गत ग्राम मोहतरा में जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपये की लागत से बनाए जा रहे फिल्टर प्लांट निर्माण कार्य में मजदूरों को पिछले दो माह से मजदूरी नहीं मिलने का मामला सामने आया है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों ने ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि लगातार काम कराने के बावजूद उन्हें समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट गहरा गया है।मजदूरों के अनुसार वे प्रतिदिन लगभग 15 किलोमीटर दूर-दराज क्षेत्रों से निर्माण स्थल तक पहुंचकर मेहनत कर रहे हैं, लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी मजदूरी नहीं मिलने से परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। मजदूरों ने बताया कि कई बार ठेकेदार से भुगतान की मांग की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर मामला टाल दिया जाता है।इधर ग्रामीणों ने भी निर्माण कार्य की धीमी गति और ठेकेदार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के तहत गांवों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार एजेंसी और ठेकेदार की लापरवाही से कार्य प्रभावित हो रहा है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो योजना का लाभ लोगों तक पहुंचने में और देरी होगी। वहीं मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र मजदूरी भुगतान नहीं किया गया तो वे काम बंद कर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर मजदूरों का बकाया भुगतान शीघ्र कराने और निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति की निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की है।

जनगणना प्रचार रथ को कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 21 मई जिले में जनगणना कार्य के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जनगणना प्रचार रथ को कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि जनगणना देश के विकास एवं योजनाओं की आधारशिला है। इससे प्राप्त आंकड़ों के आधार पर शासन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार, पेयजल एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की योजनाएं तैयार की जाती हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग करें और प्रगणकों को सही एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराएं। प्रचार रथ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को जनगणना के महत्व, प्रक्रिया एवं आवश्यक जानकारी से अवगत कराएगा। रथ के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि जनगणना में दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है तथा इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर दिलीप पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल, जनगणना नोडल अधिकारी महेंद्र मिश्रा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गैस की किल्लत, लकड़ी बनी सहारा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक, पर्यटन एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में इन दिनों एलपीजी गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर लोगों का कहना है कि पहले जहां गैस सिलेंडर अपेक्षाकृत आसानी से उपलब्ध हो जाते थे, वहीं अब पंजीयन के बाद कई दिनों तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। इसका असर घरेलू रसोई से लेकर होटल, भोजनालय एवं छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक महसूस किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितताओं और स्थानीय वितरण संबंधी दिक्कतों की चर्चाओं के बीच लोगों का कहना है कि गैस की उपलब्धता प्रभावित हुई है। हालांकि आपूर्ति में कमी के कारणों की आधिकारिक पुष्टि संबंधित विभागों द्वारा ही की जा सकती है।

शहपुरा कन्या क्रीड़ा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

20 वर्षों से जर्जर बाउंड्री वॉल में असुरक्षित छात्राएं, जिम्मेदार बेखबर

शहपुरा। डिंडोरी जिले के शहपुरा नगर स्थित निवास रोड के कन्या क्रीड़ा परिसर में छात्राओं की सुरक्षा भगवान भरोसे बनी हुई है। परिसर की बाउंड्री वॉल पिछले लगभग 20 वर्षों से क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक केवल प्रस्ताव और पत्राचार तक ही सीमित नजर आ रहा है। हालत यह है कि छात्राएं असुरक्षित माहौल में रहने और खेल गतिविधियां संचालित करने को मजबूर हैं।परिसर की दीवार कई स्थानों से टूटी हुई है, जिससे बाहरी लोगों और आवारा पशुओं का आसानी से अंदर प्रवेश हो जाता है। ऐसे में किसी भी समय अप्रिय घटना होने की आशंका बनी रहती है। बावजूद इसके छात्राओं की सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दे पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार बाउंड्री वॉल की मरम्मत और पुनर्निर्माण को लेकर कई बार उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। हॉस्टल अधीक्षिका ने बताया कि दीवार लंबे समय से क्षतिग्रस्त है तथा मरम्मत के लिए भोपाल स्तर तक प्रस्ताव भेजकर राशि की मांग की गई थी, लेकिन आज तक न तो बजट स्वीकृत हुआ और न ही निर्माण कार्य शुरू हो सका।स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों में इस लापरवाही को लेकर भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि प्रशासन किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहा है। उनका आरोप है कि यदि समय रहते सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो भविष्य में गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि छात्राओं की सुरक्षा से जुड़े इस संवेदनशील मामले में जिम्मेदार अधिकारी आखिर कब जागेंगे। अब देखना होगा कि मामला सामने आने के बाद प्रशासन केवल आश्वासन तक सीमित रहता है या छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कार्रवाई भी की जाती है।

पेयजल संकट से नाराज़ ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

शहपुरा। डिंडोरी जिले के शहपुरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंदवाही में भीषण पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। पानी की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने गांव के भीतर चक्का जाम कर शिक्षा विभाग के शिक्षकों के वाहनों को रोक दिया। घटना के दौरान गांव में कुछ समय तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा।जानकारी के अनुसार शासन की "जल गंगा संवर्धन" योजना के तहत गांव में वृक्षारोपण के लिए गड्ढे खोदे गए हैं। इन्हीं कार्यों के निरीक्षण एवं सर्वे के लिए शिक्षा विभाग के शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी। शिक्षक निरीक्षण के बाद गांव से लौट रहे थे, तभी ग्रामीणों ने रास्ता रोककर अपना विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है। भीषण गर्मी में लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर पत्थर और बर्तन रखकर चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों ने साफ कहा कि जब तक गांव में पेयजल व्यवस्था सुचारु नहीं होगी, तब तक रास्ता नहीं खोला जाएगा। उनका कहना था कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है, जिससे परेशान होकर उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा।मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस एवं पीएचई विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पीएचई विभाग के एसडीओ गगन कुम्हरे ने ग्रामीणों से चर्चा कर जल्द पेयजल व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया। अधिकारियों की समझाइश और आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए तथा चक्का जाम समाप्त कर दिया गया।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र पेयजल समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस का भाजपा सरकार पर निशाना

अमरपुर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, पेपर लीक और युवाओं की समस्याओं को लेकर जमकर हमला बोला। नेताओं के आक्रामक भाषणों से सभा का माहौल राजनीतिक रूप से गर्म रहा।ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर ने राजीव गांधी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने देश में आधुनिक तकनीक, कंप्यूटर क्रांति और युवाओं को नई दिशा देने का कार्य किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार युवाओं की आवाज दबाने और उनके सपनों को कुचलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस डिजिटल और मजबूत भारत का सपना राजीव गांधी ने देखा था, आज उसी देश का युवा रोजगार के लिए भटकने को मजबूर है।
मंडलम अध्यक्ष संदीप शाह ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और पेपर लीक की घटनाएं आम हो चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विज्ञापनों और सोशल मीडिया प्रचार के जरिए वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटका रही है। उन्होंने कहा कि युवा अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से अपनी पीड़ा और नाराजगी व्यक्त कर रहा है, लेकिन सरकार जवाब देने के बजाय आवाज दबाने का प्रयास कर रही है।संदीप शाह ने कहा कि जब सरकार युवाओं के सवालों और प्रतिक्रियाओं से डरने लगे तो यह सत्ता की कमजोर होती स्थिति का संकेत है। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं का आक्रोश अब सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक दिखाई दे रहा है और युवा अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने को तैयार है।इस दौरान पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष हेमंत हरदहा ने भी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग, गरीब, किसान और बेरोजगार युवाओं के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल चुनावी वादे करती है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में जनता इसका जवाब देगी।कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने एक स्वर में कहा कि रोजगार, शिक्षा और अधिकारों की लड़ाई अब गांव-गांव तक पहुंचेगी और युवा अब अपने मुद्दों पर चुप नहीं बैठेगा। कार्यक्रम में देव सिंह भारती, लियाकत अली, कारे लाल धुर्वे, सोने लाल, महेंद्र बनवासी, प्रसाद विश्वकर्मा तथा हीरालाल विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कस्तूरी पिपरिया पंचायत में लापरवाही से बुजुर्ग परेशान

शहपुरा। डिंडोरी जिले के शहपुरा जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कस्तूरी पिपरिया में पंचायत सचिव और रोजगार सहायक की कथित लापरवाही के चलते बुजुर्गों को वृद्धा पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। पेंशन बंद होने से कई वृद्धजन परेशान हैं और पंचायत से लेकर बैंक तक चक्कर काटने को मजबूर हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सचिव अक्सर कार्यालय से अनुपस्थित रहते हैं जिससे लोगों की समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत सचिव और रोजगार सहायक से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन फोन रिसीव नहीं किया गया। पंचायत कार्यालय पहुंचने पर भी कई बार अधिकारी मौजूद नहीं मिलते। गांव के एक बुजुर्ग दंपत्ति ने बताया कि परिवार में केवल पति पत्नी ही रहते हैं और वृद्धा पेंशन ही उनके जीवनयापन का मुख्य सहारा है। उन्होंने कई बार पंचायत सचिव को समस्या बताई लेकिन हर बार उन्हें जल्द पैसा आने का आश्वासन देकर लौटा दिया गया। इसके बावजूद आज तक उनके खाते में पेंशन राशि नहीं पहुंची।भीषण गर्मी के बीच बुजुर्ग पेंशन की उम्मीद में बैंक और पंचायत कार्यालय के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। आर्थिक तंगी और बढ़ती महंगाई के कारण उनका जीवन प्रभावित हो रहा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए तथा पात्र हितग्राहियों की बंद पेंशन जल्द शुरू कराई जाए ताकि बुजुर्गों को राहत मिल सके।

ग्रीष्म ऋतु में खाद्य पदार्थों की जांच तेज

डिंडोरी में लस्सी शेक समेत कई खाद्य सामग्री के नमूने लिए गए

डिंडोरी। ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण और सैंपलिंग अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जबलपुर बस स्टैंड क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सत्यम लस्सी एवं मैंगो जूस सेंटर आनंद चाट भंडार न्यू खेतेश्वर स्वीट्स सवाई भोज आइसक्रीम कुल्फी शेक सेंटर मां शारदा ट्रेडर्स तथा मारवाड़ी भोजनालय सहित कई प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान लस्सी मैंगो शेक बादाम शेक शुगर फ्री कोल्ड ड्रिंक मिल्क शेक पनीर एवं चावल के नमूने संग्रहित किए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने दुकानदारों को साफ सफाई बनाए रखने तथा खाद्य निर्माण में केवल स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने के निर्देश दिए। साथ ही पानी की नियमित जांच कराने एवं फ्रिज कंटेनर और खाद्य भंडारण सामग्री को स्वच्छ रखने की समझाइश भी दी गई।निरीक्षण के दौरान मारवाड़ी भोजनालय

को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत धारा 13(2) का नोटिस जारी कर निर्धारित समय में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने सभी खाद्य कारोबारियों को चेतावनी दी है कि गर्मी के मौसम में बिकने वाले कोल्ड ड्रिंक आइसक्रीम जूस एवं अन्य पेय पदार्थों की निर्माण तिथि और अवसान तिथि का विशेष ध्यान रखा जाए। विभाग ने स्पष्ट किया कि कोल्ड ड्रिंक को ठंडा करने के नाम पर अतिरिक्त शुल्क लेना कानून का उल्लंघन है जिसकी शिकायत उपभोक्ता कंज्यूमर हेल्पलाइन में कर सकते हैं।खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती प्रभा सिंह तेकाम ने बताया कि मिलावट के खिलाफ कार्रवाई और जनजागरूकता अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। प्रशासन का उद्देश्य लोगों को शुद्ध सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है।

आबकारी विभाग की कार्रवाई में अवैध शराब के 8 प्रकरण दर्ज

डिंडौरी। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण संग्रहण परिवहन और विक्रय पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में 19 एवं 20 मई 2026 को आबकारी विभाग वृत्त बजाग और समनापुर की टीम ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर विभिन्न गांवों में दबिश देकर कार्रवाई की।कार्रवाई के दौरान ग्राम सुनहादादर सुनियामार सुकुलपुरा पिंडरूखी एवं किवटी से कुल 39 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब तथा 9 पाव विदेशी मदिरा बरामद की गई। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 10 हजार 570 रुपये बताई गई है।आबकारी विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क के तहत कुल 8 प्रकरण दर्ज किए हैं।यह कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार तथा आबकारी अधिकारी बैधनाथ वासनिक के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में उप निरीक्षक सम्हर सिंह धुर्वे सहित आबकारी आरक्षक और विभागीय अमला मौजूद रहा।आबकारी विभाग ने आमजन से अपील की है कि अवैध शराब के निर्माण और बिक्री की जानकारी तत्काल विभाग को दें ताकि जिले में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए जिले में विशेष प्रकोष्ठ गठित

डिंडौरी। जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने विशेष जिला प्रकोष्ठ के गठन के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के पालन में की गई है।जारी आदेश के अनुसार कलेक्टर को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी डिंडौरी एवं शहपुरा जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन तथा तकनीकी सलाहकार को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।विशेष जिला प्रकोष्ठ जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार कर उसे लागू करेगा। इसके तहत पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा तथा अवैध प्लास्टिक उपयोग पर रोक लगाने की कार्रवाई भी की जाएगी। कार्ययोजना में गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण वैज्ञानिक तरीके से कचरे का निपटान तथा प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता रैंकिंग की व्यवस्था शामिल रहेगी। इसके अलावा आरआरआर सेंटर (रिड्यूस रीयूज रीसायकल) की स्थापना उत्कृष्ट कार्य करने वाले निकायों को प्रोत्साहन तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले बड़े कचरा उत्पादकों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनजागरूकता अभियान चलाकर आमजन को स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाए। साथ ही जिले को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जाएं।

आत्मा जिला पुरस्कार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून तक बढ़ी

डिंडौरी। सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजना वर्ष 2025-26 अंतर्गत कृषक पुरस्कार हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 जून 2026 कर दी गई है। कृषि उद्यानिकी पशुपालन एवं अन्य कृषि संबद्ध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों से विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।योजना के तहत जिला स्तरीय सर्वोत्कृष्ट कृषक पुरस्कार के लिए जिले से 10 कृषकों का चयन किया जाएगा। चयनित कृषकों को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। वहीं विकासखंड स्तरीय सर्वोत्कृष्ट कृषक पुरस्कार अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड से 5 कृषकों का चयन कर 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके अलावा राज्य स्तरीय सर्वोत्कृष्ट कृषक पुरस्कार के लिए चयनित कृषकों को 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार आवेदन पत्र संबंधित विकासखंड कार्यालय के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अथवा जिला कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र आवश्यक प्रमाणित दस्तावेजों सहित विकासखंड कार्यालय के माध्यम से जिला कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।पुरस्कार चयन के लिए न्यूनतम 50 अंक प्राप्त करना आवश्यक रखा गया है। आवेदकों को पिछले पांच वर्षों की उत्पादकता का विवरण प्रस्तुत करना होगा। मिट्टी परीक्षण एवं स्वाइल हेल्थ कार्ड के आधार पर भी अंक दिए जाएंगे। साथ ही एमपी किसान पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। पूर्व में पुरस्कृत कृषकों की प्रविष्टि आगामी तीन वर्षों तक मान्य नहीं होगी।यह पुरस्कार उन कृषकों को दिया जाएगा जो उन्नत कृषि तकनीक प्राकृतिक एवं जैविक खेती भूमि एवं जल संरक्षण तथा कृषि नवाचारों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। कृषि विभाग ने सभी पात्र एवं इच्छुक कृषकों से निर्धारित तिथि से पहले आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शुक्रवार 22 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

भारत रत्न राजीव गाँधी की पुण्य तिथि मनाई

तेंदूखेड़ा। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न संचार क्रांति के जनक युवाओं को 18 वर्ष मे मताधिकार देने वाले महिला सशक्तिकरण की दिशा मे समानता प्रदान करने वाले त्रि स्तरीय पंचायती राज की परिकल्पना को मूर्त रूप देने वाले भारत रत्न स्व:राजीव गाँधी की 35 वीं पुण्य तिथि पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तेंदूखेड़ा द्वारा पूर्व विधायक संजय शर्मा के निवास पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की कार्यक्रम को पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय गुप्ता महेन्द्र तिजोरीवाले गोविन्द शर्मा रवि नामदेव यशवंत आचार्य ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश पटैल ने सम्बोधित करते हुई स्व राजीव गांधी के जीवन चरित्र एवं उनके कार्यो का उल्लेख करते हुए उन्हें याद किया कार्यक्रम का संचालन किशोर राय प्रदेश उपाध्यक्ष सेनानी परिवार प्रकोष्ठ ने किया एवं आभार कमल जैन ने किया कार्यक्रम मे नगर के वरिष्ठ कमलेश पुजारी राजेश राय पंकज चौधरी राधेश शर्मा मंडल अध्यक्ष दिनेश जैन महेश साहू आदर्श राय ओमप्रकाश राय पार्षद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नहीं रही श्रीमती लीला बाई ढिमोले

नरसिंहपुर। गत दिवस जिले के ग्राम बनवारी निवासी ढिमोले परिवार की वरिष्ठ महिला श्रीमती लीला बाई ढिमोले का अस्वस्थता के चलते निधन हो गया। आप प्रतिष्ठित नागरिक जीवन लाल ढिमोले की धर्मपत्नी तथा बृजेश ढिमोल एवं दिनेश ढिमोले की मां एवं पूर्व विधायक दीनदयाल ढिमोले की भाभी थी। जिनका अंतिम संस्कार ग्राम वनवारी में 22 मई को प्रातः 9 बजे किया जावेगा।

पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

नरसिंहपुर। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि जिला कांग्रेस कार्यालय में ब्लॉक कांग्रेस शहर द्वारा मनाई गई। श्रद्धांजलि देते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि युवाओं को 18 वर्ष की उम्र में मतदान का अधिकार दिलाने वाले, सद्भावना के अग्रदूत, पंचायती राज, सूचना, संचार एवं कम्प्यूटर क्रांति के जनक, दूरदर्शी सोच के धनी राजीव गांधी ने वर्षों पहले भारत में जिस कम्प्यूटर एवं सूचना क्रांति का बीज बोया, आज वह वट वृक्ष बन चुका है देश के लिए बलिदान देने वाले राजीव जी को देश कभी भूल नहीं सकेगा। सभी ने विकास में उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। संचालन अजय मालवीय एवं आभार प्रदर्शन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शहर मनीष साहू ने किया। उक्त मौके पर जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पटेल, जिला एन एस यू आई अध्यक्ष ईशान राय, कांग्रेस आशीष राजवैध, राजेंद्र नेमा, मयंक मनोहर साहू, अजय दुबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद थे।

जनसुनवाई में आए 312 आवेदन

नरसिंहपुर। विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा प्रत्येक गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह 312 आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। यही विश्वास और भरोसा जालम सिंह पटेल को जनता की पहली पसंद बनाता है राजनीति में प्रवेश से पहले सामाजिक सेवा को प्राथमिकता देने वाले जालम सिंह पटेल आज भी स्वयं को नेता नहीं, बल्कि जनता का बेटा मानते हुए हर वर्ग के हितों की लड़ाई में आगे रहते हैं।

जिला प्रशासन द्वारा सावधानी बरतने की अपील, तापमान में वृद्धि के साथ मरीजों में हो रहा इजाफा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले मे दिन प्रतिदिन हो रही तापमान मे वृद्धि जनजीवन पर भी असरकारक होती नजर आ रही है। जिले में तापमान 45. डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहे तापमान व भीषण गर्मी के साथ अब मौसमी बीमारियों का असर भी तेज होने लगा है। जिला अस्पताल में उल्टी-दस्त, बुखार और वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालात यह हैं कि ओपीडी काउंटरों पर पर्ची बनवाने के लिए मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं, जबकि जांच कक्ष और पैथोलॉजी में भी भीड़ बढने से लोगों को इंतजार करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा असर बच्चों की सेहत पर दिखाई दे रहा है।

उल्टी-दस्त के बढ़ रहे मरीज- सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल के शिशु वार्ड में प्रतिदिन उल्टी-दस्त से पीड़ित 8 से 10 बच्चों को उपचार के लिए लाया जा रहा है। मरीजों की संख्या बढने से स्वास्थ्य अमले पर अतिरिक्त दबाव की स्थिति बन रही है। जिले में चिकन पॉक्स का संक्रमण भी गांवों तक

पहुंचने लगा है। स्वास्थ्य विभाग ने अब तक 4 गांवों में 14 सक्रमित मरीज चिन्हित किए हैं। संक्रमितों की केस हिस्ट्री में बाहर से लौटे लोगों के जरिए संक्रमण फैलने की बात सामने आई है। प्रशासन द्वारा लोगों से सावधानी बरतने की अपली की गई। वही बढ़ती गर्मी के कारण जनजीवन पर भी प्रभाव पड़ रहा है प्रशासन द्वारा बच्चों को धूप व लू से बचाने की अपील भी की गई तथा आवश्यक होने पर ही यात्रा करें तथा पेय पदार्थो का उपयोग करते रहे घर से निकलने के पूर्व शरीर को कपड़े से ढक कर रखें।

संक्रमण लेकर लौटे ग्रामीण- बताया जाता है कि नरसिंहपुर से लगे झरना डेडवारा गांव में मिले तीन संक्रमितों में एक व्यक्ति नागपुर से लौटकर आया था। उसके संपर्क में आने से दो अन्य लोग संक्रमित हो गए। इसी तरह ग्राम सिमरिया में मिले तीन संक्रमितों में भी एक व्यक्ति नागपुर से संक्रमण लेकर लौटना बताया गया है। ग्राम बैहर में मिले तीन संक्रमितों में एक युवक नियमित रूप से जबलपुर अप-डाउन करता था। पहले युवक संक्रमित हुआ और बाद में उसके परिवार के दो अन्य सदस्य भी संक्रमण की चपेट में आ गए। वहीं करेली क्षेत्र के ग्राम बांसादेही में पांच संक्रमित मरीज सामने आए हैं।

संक्रमित व्यक्ति की निगरानी जरूरी- स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार चिकन पॉक्स का संक्रमण 21 से 28 दिनों के भीतर असर दिखा सकता है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए संक्रमित व्यक्ति की निगरानी जरूरी बताई जा रही है। चिकित्सकों का कहना है कि संक्रमित व्यक्ति के कपड़े, बिस्तर और उपयोग की अन्य वस्तुओं का इस्तेमाल दूसरे लोगों को नहीं करना चाहिए। साथ ही संक्रमित मरीज को सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचना चाहिए, ताकि संक्रमण अन्य लोगों तक न पहुंचे। मिली जानकारी के अनुसार झिरना डेडवारा-03 मरीज, सिमरिया -03 मरीज, बैहर -03 मरीज, बांसादेही - 05 मरीज।

मिले है। गर्मी से बचाव के लिए साफ और उबला पानी पिएं, यात्रा के वक्त सावधानी रख, बाहर का खुला खाद्य पदार्थ खाने से बचें, चिकन पॉक्स संक्रमित को अलग रखें, संक्रमित के कपड़े और बिस्तर अलग रखें, शरीर पर दाने, बुखार या खुजली होने पर तुरंत जांच कराएं।

किसानों को किया जा रहा जागरूक

नरसिंहपुर। सरकार द्वारा क्षत्र के किसानों को कृषक जगत सें जुडी हुई जरूरी जानकारियों से अवगत कराने के लिये आये दिन अनेक प्रकार की प्रक्रियों के माध्यम से जागरूक किया जाता है। इसी प्रकार से गांव- गांव कृषि रथों के माध्यम से इस समय किसानों को जरूरी जानकारियों से अवगत कराया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड - गोटेगांव के ग्राम देवनगर, राजाकच्छार, गोहचर में किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि रथ का आगमन हुआ। इस दोरान रथ में ग्राम की सम्मानित कृषक एवं क्षेत्र कृषि विस्तार अधिकारी संजय ठाकरे एंव संजय अलंन्से तथा ग्राम पंचायत सरपंच उपस्थित रहे। कृषि रथ यात्रा के दौरान किसानों को ई टोकन प्रणाली से खाद वितरण, प्राकृतिक खेती, मिट्टी परीक्षण, संतुलित उर्वरक के उपयोग, पराली प्रबंधन आदि जानकारिया दी गईं।

ट्रेन मे चोरों ने पौने दो लाख के जेवर किए पार

नरसिंहपुर। ट्रेन में सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा हुआ है। इटारसी-कटनी मेमो ट्रेन में सफर कर रही एक महिला यात्री के बैग से अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के कीमती आभूषण पार कर दिए। चोरी गए सामान की कुल कीमत 1,75,400 रुपये बताई जा रही है। जीआरपी थाना जबलपुर ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित महिला, सुलोचना मेहरा उम्र 46 वर्ष नरसिंहपुर जिले के ग्राम लोकीपार की निवासी हैं, उन्होंने पुलिस को बताया कि यह घटना 1 मई 2026 की है। वह ट्रेन नंबर 61617 (इटारसी-कटनी मेमो) से नरसिंहपुर से मदनमहल की यात्रा कर रही थीं।

दक्षता प्रशिक्षण वर्ग में दिखा शिशु मंदिर योजना वैशिष्ट्य

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रांत की योजना अनुसार सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित 15 दिवसीय प्रांतीय शिशु वाटिका सामान्य दक्षता प्रशिक्षण वर्ग में शिशु मंदिर योजना वैशिष्ट्य देखने को मिला निर्धारित समय सारणी के अनुसार शिक्षण विधि के अलावा योजनागत विषयों के अंतर्गत प्रातः कालीन सत्र में अग्निहोत्र, योग अभ्यास कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण वायु शुद्धिकरण स्वास्थ्य लाभ शारीरिक सौष्ठव ध्यान साधना की दृष्टि से आयोजित किये गए अग्निहोत्र कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, अभिभावक, पूर्व छात्र सपत्नीक हवन अनुष्ठान में सम्मिलित हुए कौशल विकास सत्र में शिशु क्रिया कलापों, कला कौशल के अन्तर्गत विभिन्न रंगो की कलाकृतियां कैनवास में प्रशिक्षार्थी दीदियों द्वारा उकेरी गई सायंकाल में संघ स्थान में पारंपरिक शिशु खेल, समता का अभ्यास, राष्ट्र सेविका समिति प्रार्थना के माध्यम से राष्ट्रीय एकात्म भाव को प्रदर्शित किया गया उक्त प्रशिक्षण वर्ग में विद्या भारती अखिल भारतीय, क्षेत्रीय, प्रांतीय अधिकारियों के

अलावा विद्यालय प्रबंधन, स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ प्रांत व क्षेत्र शिशु वाटिका संयोजक माननीय प्रभात सिंह, प्रांत सह संयोजक श्रीमती संतोषी सोनी, वर्ग संयोजक श्रीमती कुमुद रानी दुबे प्रशिक्षक राधा राजपूत, श्रीमती शर्मिला जैन के मार्गदर्शन में आंतरिक व्यवस्था से जुड़े समस्त आचार्य परिवार का सहयोग रहा।

रखरखाव के अभाव में कबाड़ बने फायर फाइटर टैंकर

ग्राम राजाकछार में आग से बचाव की व्यवस्था बदहाल

गोटेगांव। जनपद पंचायत अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों को आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए विधायक निधि से फायर फाइटर वाटर टैंकर

उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन पंचायतों की लापरवाही के चलते अधिकांश टैंकर अब अनुपयोगी हो चुके हैं।ग्राम पंचायत राजाकछार में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां फायर फाइटर टैंकर गौशाला भवन के पास वीरान क्षेत्र में लावारिस हालत में खड़ा मिला। टैंकर की पानी खींचने वाली मशीन तक गायब हो चुकी है और केवल पाइप लाइन ही बची है। कई अन्य पंचायतों में भी पाइप और मोटर खराब अथवा अलग हो चुके हैं।भीषण गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में आगजनी की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में स्थानीय स्तर पर दमकल संसाधनों के निष्क्रिय होने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक गोटेगांव मुख्यालय से दमकल वाहन पहुंचता है, तब तक किसानों और ग्रामीणों को भारी नुकसान हो चुका होता है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पंचायत स्तर पर निष्क्रिय पड़े इन फायर फाइटर टैंकरों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें फिर से उपयोग में लाया जाए, ताकि आगजनी की घटनाओं में समय रहते राहत मिल सके।

जिलेभर में बंद रहे करीब 400 मेडिकल स्टोर

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में केमिस्ट्स की देशव्यापी हड़ताल

गोटेगांव सहित नरसिंहपुर जिले में बुधवार को केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स द्वारा एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल आयोजित की गई। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स तथा एमपीसीडी केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आह्वान पर जिले के लगभग 400 मेडिकल स्टोर बंद रखे गए।गोटेगांव नगर के केमिस्ट एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि यह हड़ताल अवैध और अनियंत्रित ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में की गई। हड़ताल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन नरसिंहपुर, गाडरवारा, गोटेगांव और तेंदूखेड़ा के एसडीएम के माध्यम से सौंपा गया।ज्ञापन में ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की अवैध बिक्री, बिना डॉक्टर के वैध पर्चे के दवाओं की होम डिलीवरी और भारी छूट देकर छोटे मेडिकल व्यापारियों को आर्थिक नुकसान पहुंचाने जैसे मुद्दे उठाए गए। इसके साथ ही GSR 817(E) और GSR 220(E) को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की गई।केमिस्ट्स का कहना है कि दवाएं सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं हैं और उनकी बिक्री सख्त नियमों के तहत ही होनी चाहिए। बिना उचित सत्यापन के ऑनलाइन दवा बिक्री से मरीजों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।एसोसिएशन ने यह भी आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ झोलाछाप डॉक्टर और अवैध दवा विक्रेता नकली दवाओं का कारोबार कर रहे हैं, जिन पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। कोविड-19 महामारी के दौरान केमिस्ट्स द्वारा निभाई गई सेवाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने सरकार से उनकी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की।हालांकि हड़ताल के दौरान आपातकालीन जरूरत वाले मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराकर मानवीय जिम्मेदारी का भी निर्वहन किया गया।

उद्योग विभाग की भूमि पर चला प्रशासन का बुलडोजर बगासपुर में अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंचा प्रशासनिक अमला

गोटेगांव जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बगासपुर में उद्योग विभाग की शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को बुलडोजर चलाया। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई की गई।जानकारी के अनुसार प्रशासन द्वारा पूर्व में अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर स्वेच्छा से कब्जा हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन तय समय सीमा के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर बुलडोजर की मदद से अतिक्रमण हटवाया।कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन और अन्य संबंधित विभागों का अमला मौके पर मौजूद रहा, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। एसडीएम संघमित्रा गौतम ने स्पष्ट कहा कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बनी रही।

समर कैंप में बच्चों ने जाना खुशनुमा जीवन जीने का मूल मंत्र

तेंदूखेड़ा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए आयोजित 10 दिवसीय समर कैंप का समापन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मेडिटेशन से किया गया। ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने कहा कि खुशनुमा जीवन ही हमारे मनुष्य जीवन का उद्देश्य होना चाहिए ।कोई भी बाहरी साधन वस्तु वैभव या व्यक्ति हमें स्थाई खुशी नहीं दे सकता। जब हम निस्वार्थ भाव से किसी की मदद करते हैं तो हमें सच्ची खुशी मिलती है हमारे आंतरिक गुण ही हमको सच्ची खुशी दे सकते है। बाहरी परिस्थिति हमें दुखी नहीं करती पर हमारा उसके प्रति नजरिया हमें दुख देता है खुशनुमा जीवन जीने के चार मूल मंत्र बताते हुए कहा कि किसी भी चीज के प्रति हमारा दृष्टिकोण सदा सकारात्मक होना चाहिए।हमारे जीवन में चार बातों का संतुलन

होना आवश्यक है शारीरिक मानसिक सामाजिक एवं आध्यात्मिक जितना हम अपने सत्य पहचान एवं गुण के साथ जीवन में आते हैं शारीरिक मानसिक सामाजिक तीनों संतुलित हो जाते हैं ।सहयोग हमें सदैव एक दूसरों की मदद करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। हम जितना दूसरों की मदद करते हैं उतना हमें खुशी और मदद की प्राप्ति होती है। न्यारापन हम कोई भी कर्म करें लेकिन हमें फल की इच्छा नहीं रखनी चाहिए हमें सब कुछ परमात्मा को अर्पित करके निश्चिंत जीवन जीना चाहिए।इस कार्यक्रम में पहुंचे किशोर राय ने अपने उद्बोधन में कहा कि मोबाइल से जितनी नकारात्मक बातें सीखने को मिलती है पॉजिटिव बातें भी मिलती है इस संस्थान द्वारा बच्चों को नैतिक मूल्य एवं श्रेष्ठ संस्कार देने का कार्य सराहनीय है।बच्चों ने बहुत ही उत्साह पूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया इसके बाद जो बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया।

15 दिवसीय आचार्य सामान्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन

तेंदूखेड़ा

विगत दिवस केशव शिक्षा समीति महाकौशल प्रांत का आचार्य सामान्य प्रशिक्षण वर्ग का समारोह पूर्वक समापन किया गया। समापन अवसर पर अमित दवे संगठन मंत्री विद्याभारती महाकौशल प्रांत अमित दवे पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल केशव शिक्षा समिति महाकौशल प्रांत के प्रादेशिक सचिव ईश्वरदास पटेल सदस्य संजय पटले अरविंद सिंह ठाकुर प्रांत प्रमुख पुष्पेंद्र घोष प्रमुख महाकौशल प्रांत प्रमुख रुप से उपस्थित थे। अतिथि एवं स्वागत उपरांत वर्ग प्रतिवेदन रखा गया 15 दिवसीय इस वर्ग में 24 जिलों के 56 विद्यालयों के 28 आचार्य 49 दीदियों सहित 39 अन्य व्यवस्थापकों सहित 116 की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण उपरांत शारीरिक लिखित परीक्षा एवं वर्ग व्यवहार के आधार पर परिणाम तैयार किया गया जिस आधार पर

प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए।समापन अवसर पर उपस्थित विद्याभारती महाकौशल प्रांत अमित दवे ने अपने उद्बोधन में प्रशिक्षार्थियों को इस वर्ग की महत्ता को समझते हुए समस्त गतिविधियां विद्यालय में जाकर करें जिससे विद्यालय की छात्र संख्या वृद्धि हो विद्यायल की मूल आवश्यकतायों की पूर्ति करें विद्यालय में अंग्रेजी का वातावरण निर्मित करें अच्छी शिक्षा अपने विद्यालयों में भैया बहिनों को दे। जब हम अच्छी शिक्षा देंगे तो हमे प्रवेश ढूंढने नहीं जाना पड़ेगा अपितु विद्यालय में अध्ययनरत भैया बहिनें ही हमारे विद्यालय का प्रचार प्रसार करेंगे। विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने अपने उद्बोधन में सरस्वती शिशु मंदिरों को केवल विद्यालय न कहते हुए इन्हें समाज में संस्कार एवं संपूर्ण समाज को दिशा प्रदान करने वाला केंद्र कहा उन्होंने कहा कि आज विद्याभारती के विद्यालय समाज में खड़े न होते तो शायद आज हम पुनः गुलाम को चुके होते शिशु मंदिर समाज में संस्कारवान देशप्रेमी कर्तव्यनिष्ठ एवं सामाजिक कार्यकर्ता बनाने का कार्य कर रही है। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि ने समस्त प्रशिक्षार्थियों को उपहार वितरण किए। आभार प्रांत प्रमुख अरविंद सिंह ठाकुर प्रांत प्रमुख केशव शिक्षा समिति ने ज्ञापित किया। इस अवसर विभिन्न जिलों के जिला समन्वयक सह समन्वयक समस्त शिक्षक इस सत्र में उपस्थित रहे।

कुयें में गिरा तेंदुआ दिन भर चली मशक्कत के बाद शाम को सीढ़ियों के माध्यम से निकाल गया

तेंदूखेड़ा

गुरुवार की सुबह तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 14 जामुनपानी के समीप कृषक सरफराज खान सुबह लगभग साढ़े आठ बजे अपने ही खेत में मवेशियों को पानी पिलाने के उद्देश्य से खेत में स्थित कुये पर पहुंचा था चूंकि कुये में पानी बहुत कम था। किनारे पर खाली जगह में जैसे ही उसने तेंदुआ को देखा होश खो बैठा और तत्काल पड़ोसी कृषकों को सूचना दी तथा तेंदूखेड़ा के वन कर्मियों को सूचना दी गई।दस बजे तक वन विभाग की टीम पहुंची उसने पुष्टि करते

हुए वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी।आस पास की टीमें बुलाकर निकालने के प्रयासों पर मंत्रणा चल ही रही थी कि डी एफ ओ डां, कल्पना तिवारी एस डी ओ विकास शर्मा तथा परिक्षेत्र अधिकारी एच एल बिसेन सहित जिले से वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंची। तेंदुआ को निकालने के लिए अलग-अलग स्तर पर प्रयास किए गए लेकिन तेंदुआ को निकालने में किसी भी तरह की क्षति ना पहुंचे को लेकर वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ऊपर से मिले मार्गदर्शन निर्देश पर तेंदुआ को परम्परागत पुराने तरीके अपनाए जाने सीढ़ी डाल कर शाम के समय ही निकाला जायेगा। और वन विभाग की टीमें तेंदुआ को सही सलामत जंगल में पहुंचने तक चौकसी करेंगे। तथा ग्रामीणों सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है।वन विभाग द्वारा इस तेंदुआ की उम्र लगभग चार पांच साल बताई गई है। तथा मादा प्रजाति का है।दिन भर तेंदुआ कुये में सुरक्षित बैठा रहा।इसे पकड़ने के लिए आधुनिक तकनीक हाइड्रा और रानी दुर्गावती वन अभ्यारण से पिंजरा जाला बुलाया गया था लेकिन इसे कुये में लकड़ी की सीढ़ी डालकर उसमें पत्तियों की डाली डालकर जिस पर चढ़ कर तेंदुआ स्वयं चढ़कर बाहर निकल जायेगा।

जंगल क्षेत्रों में पानी की कमी

गौरतलब रहे कि भीषण इस गर्मी के मौसम में जमीनी जल स्तर काफी नीचे पहुंचता चला जा रहा है। परम्परागत जल स्त्रोत सूख चुके हैं। पानी की तलाश में जंगली जानवर यहां वहां भागते हैं।शायद पानी की तलाश में ही उक्त तेंदुआ यहां पर जा पहुंचा। इन जंगली जानवरों को पानी की व्यवस्था होनी चाहिए।फरवरी माह में भी एक काला हिरन पडरिया सिमरिया के समीप मुख्य सड़क मार्ग पर अज्ञात वाहन से टकरा गया था जिसकी मौत हो गई थी।

आम सूचना

मैं रामशरण सिंह राजपूत निवासी-रहली, तहसील करेली, जिला-नरसिंहपुर यह घोषित करता हूँ कि मेरी पुत्री श्रृद्धा राजपूत आयु 26 वर्ष का मेरे चाचा के लड़के त्रिभुवन सिंह राजपूत के पुत्र सुशील राजपूत निवासी रहली से प्रेम संबंध हो गया है तथा दोनों ने विवाह कर लिया है। चूंकि मेरी पुत्री श्रृद्धा तथा सुशील राजपूत एक ही कुटुम्ब के हैं तथा रिश्ते में भाई बहिन है, इसलिए मैंने दोनों को समझाने का काफी प्रयास किया कि खून के रिश्ते में ऐसा संबंध नहीं हो सकता तथा ऐसा रिश्ता सामाजिक परम्पराओं एवं रीति रिवाजों के विपरीत है परन्तु मेरी पुत्री ने मेरी बात नहीं मानी और सुशील से विवाह कर लिया है जिससे पूरे समाज में मेरी काफी बदनामी हुई है इसलिए मैंने अपनी पुत्री श्रृद्धा राजपूत से आज दिनांक से ही सारे रिश्ते समाप्त कर लिये है तथा श्रृद्धा अब मेरी पुत्री नहीं है तथा उसे मेरी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। भविष्य में यदि श्रृद्धा के साथ कोई अनहोनी घटना होती है तो उसके लिए मैं जिम्मेदार नही रहूँगा।

शपथकर्ता
रामशरण सिंह राजपूत

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

रा.मा.क्र./188 अ.20 (1) वर्ष 2025-26

सार्वजनिक उद्घोषणा

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नजूल शीट क्रमांक 16, नगरीय क्षेत्र का नाम कंदेली, प्लॉट क्र. 60/4 रकबा 290 वर्गफुट विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम/पिता/माता का नाम तथा पूर्ण नाम पता- मजार सैयद बाबा प्रबंधक अजीमुद्दीन कुरैशी आ. चिरागुद्दीन कुरैशी निवासी कंदेली उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष मे प्रकरण विचाराधीन है। मजार सैयद बाबा प्रबंधक अजीमुद्दीन कुरैशी आ. चिरागुद्दीन कुरैशी निवासी कंदेली उक्त अनुसूची के अनुसार स्थाई पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 21/06/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैद्य प्रतिनिधी के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

इश्तेहार आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

(सील) नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर